# YOJANASEWA.COM

https://yojanasewa.com

# राजौरी में 2 संदिग्धों की हलचल, सेना का बड़ा सर्च ऑपरेशन!

**विषय सूची (Table of Contents):**


>> राजौरी में बड़ी आतंकी साजिश की आशंका सीसीटीवी में कैद हुए दो संदिग्ध...
>> सुरक्षा एजेंसियों की बढ़ी चिंता...
>> थानामंडी इलाके में आधी रात का फुटेज सड़क पार करते दिखे संदिग्ध...
>> रात 11 बजे की संदिग्ध गतिविधि...
>> भंगाई, हसप्लोट से लेकर कोपरा टॉप तक सुरक्षाबलों का महा-सर्च ऑपरेशन...
>> घने जंगलों में चल रही घेराबंदी...
>> एसओजी, सीआरपीएफ और भारतीय सेना की संयुक्त टीम ने संभाला मोर्चा...
>> स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) की तैनाती...
>> जंगलों में आतंकियों की तलाश के लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल...
>> क्वाडकोप्टर और स्निफर डॉग्स की भूमिका...
>> राजौरी और पुंछ में हाई अलर्ट घुसपैठ रोकने के लिए कड़ी चौकसी...
>> नाका चेकिंग और नियंत्रण रेखा पर मुस्तैदी...
>> प्रशासन की स्थानीय निवासियों से अपील सतर्क रहें और तुरंत दें सूचना...
>> संदेह होने पर तुरंत करें संपर्क...
>> निष्कर्ष...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...


जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर बड़ी चुनौती सामने आई है। राजौरी (Rajouri) जिले में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हो गई हैं। घाटी में शांति व्यवस्था को भंग करने की हर नापाक कोशिश को नाकाम करने के लिए भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस मुस्तैदी से जुटी हुई है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस विस्तृत लेख में हम आपको राजौरी में चल रहे महा-सर्च ऑपरेशन की पल-पल की latest update और सुरक्षा बलों की रणनीतियों के बारे में विस्तार से बताएंगे।

## राजौरी में बड़ी आतंकी साजिश की आशंका: सीसीटीवी में कैद हुए द

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब थानामंडी इलाके में दो संदिग्ध आतंकियों की मौजूदगी की खबर आमने-सामने आई। सुरक्षा एजेंसियों को खुफिया इनपुट मिले हैं कि सीमा पार से घुसपैठ कर यह संदिग्ध किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं।

## सुरक्षा एजेंसियों की बढ़ी चिंता

पहाड़ी इलाका होने के कारण इस क्षेत्र में घने जंगल और प्राकृतिक गुफाएं हैं, जिसका फायदा उठाकर राष्ट्रविरोधी तत्व छिपने का प्रयास करते हैं। हालांकि, भारतीय सेना की सतर्कता के कारण उनकी हर चाल विफल हो रही है। इस घटना के बाद से ही पूरे जिले की सुरक्षा व्यवस्था काstatus checkकिया जा रहा है।

इसके अलावा, देश के अन्य हिस्सों में भी कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन काफी सख्त है  उदाहरण के लिए हाल ही में हुई एक कार्रवाई मेंकरोना दुकान में टॉफी के साथ बिक रहा था गांजा और बीयर, पुलिस का छापा!जैसी घटनाएं सामने आई हैं, जो आंतरिक सुरक्षा के महत्व को दर्शाती हैं।

## थानामंडी इलाके में आधी रात का फुटेज: सड़क पार करते दिखे संदिग्ध

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा मामला रविवार देर रात का है। थानामंडी के पास एक मुख्य मार्ग पर लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरे में दो संदिग्ध व्यक्तियों की हलचल रिकॉर्ड हुई। यह फुटेज सामने आते ही तुरंत सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया गया।

## रात 11 बजे की संदिग्ध गतिविधि

सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि रविवार रात करीब 11 बजे दो लोग संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क पार कर रहे हैं। उनके हाव-भाव, चलने के तरीके और पीठ पर लदे भारी बैग को देखकर सुरक्षा एजेंसियों को मजबूत शक हुआ कि ये आतंकी हो सकते हैं।

रात के सन्नाटे में इस तरह की गतिविधि आम नागरिकों की नहीं हो सकती। यही कारण है कि पुलिस और सेना ने इसे एक गंभीर खतरे के रूप में लिया है। अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच के लिए विशेषज्ञों की एक विशेष टीम भी गठित की है ताकि इनकी पहचान से जुड़ी एक विस्तृतlistतैयार की जा सके।

## भंगाई, हसपलोट से लेकर कोपरा टॉप तक सुरक्षाबलों का महा-सर्च

जैसे ही सीसीटीवी फुटेज के जरिए संदिग्धों के ठिकाने का अंदाजा लगा, सुरक्षा बलों ने बिना वक्त गंवाए एक व्यापक तलाशी अभियान (Massive Search Operation) शुरू कर दिया। इस ऑपरेशन का दायरा थानामंडी से लेकर ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

## घने जंगलों में चल रही घेराबंदी

वर्तमान में सुरक्षा बलों की कई टुकड़ियां भंगाई गांव, हसप्लोट, करयोटे और कोपरा टॉप (Kopra Top) के इलाकों को पूरी तरह घेर चुकी हैं। इन क्षेत्रों में घने जंगल होने के कारण ऑपरेशन काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

>> भंगाई गांव:यहां के हर एक संदिग्ध मार्ग पर नाकेबंदी कर दी गई है।

>> हसप्लोट और करयोटे:इन रिहायशी और जंगली इलाकों के बीच संपर्क रास्तों को काट दिया गया है।

>> कोपरा टॉप:यह बेहद ऊंचा और दुर्गम क्षेत्र है, जहां रणनीतिक रूप से मोर्चा संभाला गया है।

खराब मौसम के बावजूद भी जवान अपनी चौकियों पर डटे हुए हैं। ऐसे संवेदनशील समय में मौसम की जानकारी भी अहम होती है, जैसे किल का मौसम 29 जून: भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट, रहें सावधान!की रिपोर्ट में सुरक्षा बलों के अभियानों पर मौसम के प्रभाव को रेखांकित किया गया था।

## एसओजी, सीआरपीएफ और भारतीय सेना की संयुक्त टीम ने संभाला मोर्

इस संकट से निपटने के लिए किसी एक विंग पर निर्भर न रहकर एक समन्वित कमान (Coordinated Command) तैयार की गई है। इसमें स्थानीय पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय बलों की सर्वश्रेष्ठ टुकड़ियों को शामिल किया गया है।

## स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) की तैनाती

स्थानीय परिस्थितियों से भली-भांति वाकिफ जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) को सबसे आगे रखा गया है। इसके साथ ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) और भारतीय सेना के जांबाज जवान मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, सर्च पार्टियों को कई छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांट दिया गया है ताकि हर एक वर्ग किलोमीटर की गहराई से जांच की जा सके। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए बैकअप टीमों को भी तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

## जंगलों में आतंकियों की तलाश के लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों का

राजौरी के इस हिस्से की भौगोलिक संरचना बेहद जटिल है। ऊंची पहाड़ियां, गहरी खाइयां और बड़े-बड़े पत्थरों के कारण जमीन पर सामान्य रूप से आगे बढ़ना जोखिम भरा होता है। इसी वजह से आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है।

## क्वाडकोप्टर और स्निफर डॉग्स की भूमिका

सुरक्षा बल हवा से निगिरानी रखने के लिए उच्च क्षमता वाले ड्रोन कैमरों का उपयोग कर रहे हैं। यह ड्रोन घने पेड़ों के बीच छिपे किसी भी थर्मल सिग्नेचर (Thermal Signature) को पकड़ने में सक्षम है। साथ ही, सेना के खोजी कुत्ते (Sniffer Dogs) जमीन पर संदिग्धों के पैरों के निशान और गंध का पीछा कर रहे हैं।

घर-घर तलाशी (House-to-House Search) के साथ-साथ प्राकृतिक गुफाओं और पहाड़ी नालों की भी सघन चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा बल इस बार कोई भी कसर बाकी नही छोड़ना चाहते हैं।

## राजौरी और पुंछ में हाई अलर्ट: घुसपैठ रोकने के लिए कड़ी चौकसी

पिछले कुछ महीनों के सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए न केवल राजौरी बल्कि पड़ोसी जिले पुंछ (Poonch) में भी हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, सीमा पार बैठे आका लगातार आतंकियों को भारतीय क्षेत्र में धकेलने की कोशिश कर रहे हैं।

## नाका चेकिंग और नियंत्रण रेखा पर मुस्तैदी

सभी मुख्य मार्गों, राजमार्गों और लिंक रोड्स पर अतिरिक्त नाके स्थापित कर दिए गए हैं। आने-जाने वाले हर वाहन की सघन चेकिंग की जा रही है। पहचान पत्रों की जांच के बाद ही वाहनों को आगे बढ़ने की अनुमति दी जा रही है।

चुनौतियों से घिरे इस माहौल में कभी-कभी रणनीतिक फैसले आखिरी मौके पर बड़े बदलाव लाते हैं, ठीक उसी तरह जैसे फुटबॉल जगत में कहा जाता है किस्पर्स्स रिलीगेशन से बचाव का अंतिम मौका! जानिए क्यों दे ज़र्बी भरोसा कर रहे हैं, जहां सही समय पर सही रणनीति ही जीत सुनिश्चित करती है। यहां भी सेना की सटीक रणनीति ही आतंकियों का खात्मा करेगी।

## प्रशासन की स्थानीय निवासियों से अपील: सतर्क रहें और तुरंत दे

इस पूरे ऑपरेशन की सफलता में स्थानीय जनता का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने थानामंडी व उसके आसपास के गांवों के नागरिकों के लिए एक जरूरी एडवाइजरी जारी की है।

## संदेह होने पर तुरंत करें संपर्क

स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे अपने घरों के आसपास किसी भी अज्ञात व्यक्ति को देखने या असामान्य गतिविधि महसूस होने पर तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन या सेना के बेस कैंप को सूचित करें। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी। नागरिकों को किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की सलाह भी दी गई है।

## निष्कर्ष

राजौरी के थानामंडी में सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद शुरू हुआ यह महा-सर्च ऑपरेशन देश की सुरक्षा के प्रति हमारी सेना के संकल्प को दर्शाता है। भंगाई से लेकर कोपरा टॉप तक फैले इस दुर्गम इलाके में सुरक्षा बल तकनीक और वीरता के समन्वय से हर खतरे को समाप्त करने में सक्षम हैं। स्थानीय नागरिकों की सतर्कता और सेना का यह शौर्य मिलकर निश्चित रूप से इस इलाके को सुरक्षित बनाए रखेगा। वर्ष 2026 में भी आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति पूरी मजबूती से जारी है।

## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

थानामंडी इलाके के पास सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्ध व्यक्तियों को आधी रात को सड़क पार करते हुए देखा गया था, जिसके बाद यह बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

यह घटना रविवार रात करीब 11 बजे की है, जो राजौरी जिले के थानामंडी इलाके में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है।

इस ऑपरेशन में जम्मू-कश्मीर पुलिस का स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG), केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) और भारतीय सेना संयुक्त रूप से शामिल हैं।

मुख्य रूप से भंगाई गांव, हसपलोट, कर्योटे, और ऊंचे पहाड़ी इलाके कोपरा टॉप (Kopra Top) के घने जंगलों में गहन तलाशी ली जा रही है।

सुरक्षा बल हवाई निगरानी के लिए आधुनिक ड्रोन कैमरों (क्वाडकोप्टर) और जमीन पर सुराग तलाशने के लिए प्रशिक्षित खोजी कुत्तों का उपयोग कर रहे हैं।

हाँ, स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या सेना के कैंप को देने की अपील की है। आधिकारिक हेल्पलाइन नंबरों की लिस्ट स्थानीय थानों से प्राप्त की जा सकती है।

हाँ, सुरक्षा के लिहाज से राजौरी के पड़ोसी जिले पुंछ (Poonch) में भी सुरक्षा ग्रिड का status जांच कर हाई अलर्ट लागू कर दिया गया है।

इस क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से घुसपैठ की कोशिशों की लगातार खबरें आ रही हैं, जिसके कारण नियंत्रण रेखा (LoC) के पास चौकसी काफी बढ़ा दी गई है और सुरक्षा बल लगातार अपनी रणनीति को अपडेट कर रहे हैं।

सुरक्षा कारणों से चल रहे ऑपरेशन्स की विस्तृत आंतरिक जानकारी सार्वजनिक रूप से किसी PDF प्रारूप में जारी नहीं की जाती है, लेकिन मीडिया ब्रीफिंग के माध्यम से लेटेस्ट अपडेट्स दी जाती हैं।

नागरिक आधिकारिक जम्मू-कश्मीर पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल्स और विश्वसनीय समाचार पोर्टलों के माध्यम से सुरक्षा स्थिति की नवीनतम अपडेट ऑनलाइन देख सकते हैं। किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत स्थानीय नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।